राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 293
कुंडली
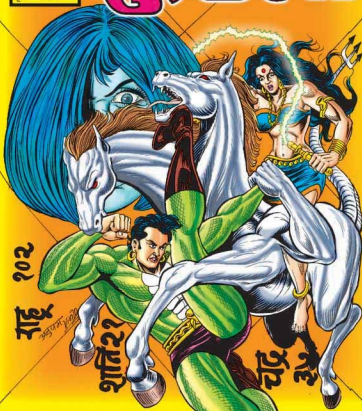
इंसान की गर्दन जिस फंदे में फंसी होती है उसको कहते हैं...
कुंडली
पूरा कहें तो जन्मकुंडली। जिससे पढ़ने वाला पढ़ सकता है कुंडली धारक के जीवन की सारी कहानी...और मौत का समय
कथा: जॉली सिन्हा.
चित्र: अनुपम सिन्हा.
इंकिंग: विनोद कुमार.
सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय.
सम्पादक: मनीष गुप्ता.
तेरा और मेरा लक्ष्य एक ही है, नगीना!
नागराज की मौत! तू नागराज की कुंडली हासिल कर...
...और फिर उस कुंडली से पता कर नागराज के मृत्युयोग का समय।
फिर मैं अपनी 'ग्रह-मशीन पर बनाऊंगी ग्रहों की वह स्थिति जो नागराज के 'मृत्युयोग' के वक्त होनी चाहिए! फिर नागराज को न तो उसकी शक्तियां बचा पाएंगी, और न ही भाग्य।
RAJA POCKET BOOKS
visit us at: www.rajcomics.com

महानगर- नागराज की कर्मभूमि-
यह कहना मुश्किल है कि यहां पर अपराधियों के उत्पात बढ़ने के कारण नागराज ने महानगर को अपना निवास बनाया ! या नागराज के यहां रहने के कारण महानगर में घातक अपराधियों का आवागमन बढ़ गया है-
आज भी एक ऐसा ही दिन है-
और आज भी भारती कम्युनिकेशंस के जांबाज रिपोर्टर अपनी जान को दांव पर लगाकर जनता तक सही खबर पहुंचाने के लिए घटनास्थल पर डटे हुए हैं
पर जरा ठहरिए-
भारती कम्युनिकेशंस और दूसरे न्यूज नेटवर्कों के रिपोर्टरों के अलावा-
कोई और भी घटनास्थल पर मौजूद है, जो अपनी जान की बाजी लगाए हुए है-
मुझे सभी रिपोर्टरों को मात देनी है ! सबसे बढ़िया फोटो कवरेज अगर कोई करेगी तो सिर्फ सनोवर !

ओ... ओ! ये क्या है?
सनोवर के साथ-साथ-
वह दृश्य सभी ने देखा-
उस प्राणी के शरीर से रहस्यमय ऊर्जा की तरंगें निशा की तरफ लपक चुकी थीं-
सभी भय से जड़ हो गए-
कोई कुछ नहीं कर पाया-
सिवाय सनोवर के-
अपनी जान की परवाह न करते हुए वह निशा की तरफ लपक पड़ी-
और किरणों ने जिस चीज को चकनाचूर किया, वह निशा का शरीर नहीं था-
तुमने वह काम किया है, जो मुझे करना चाहिए था!
मैंने सब कुछ देख लिया है! अब तुम सब पीछे हट जाओ! इस मुसीबत से मैं निपटता हूं!
ओ, थैंक्स!
कोई बात नहीं! चलता है!
शाबाश!
नागराज! तुमने... तुमने मेरी तारीफ की! वाऊ!

मैं महानगर में कई अजीबो-गरीब प्राणियों से टकरा चुका हूं! लेकिन उन सबका कुछ न कुछ मकसद जरूर होता था! इसका तो मकसद विनाश के अलावा और कुछ लगता ही नहीं है!
खैर, इसको रोकना तो होगा ही!
तड़ाक
चियां!
वाह! नागराज के फाइटिंग शॉट्स ! इससे तो मुझे नौकरी मिल ही जाएगी! शायद भारती कम्युनिकेशंस जैसी बड़ी कंपनी में काम मिल जाए!
B

लेकिन वार का जवाब वार से ही मिला-
कुछ पलों के लिए नागराज जैसे शक्तिशाली की आंखों के आगे भी अंधेरा छा गया-
तड़ाक
वह टाप, नागराज का सिर फोड़ पाती या नहीं-
यह पता चल पाने से पहले ही-
दोनों के बीच में मेनहोल का ढक्कन आ गया-
बहुत शक्तिशाली हैं इसके वार! मैं इसको जिन्दा पकड़कर इसको भेजने वाले का नाम और मकसद जानना चाहता था!
या हो सकता है कि किसी ने इसको भेजा ही नहो! ये खुद आया हो!
खैर, जो भी हो, मुझे इसको जिन्दा पकड़ने के चक्कर में हल्के वार नहीं करने होंगे! वर्ना यह मेरे और महानगर वासियों के लिए खतरा बन सकता है!
मैं हमेशा पहले विष फुंकार का ही प्रयोग करता हूं! और आज भी वही करूंगा!
पर ये फुंकार तीव्र फुंकार होगी!

Amaan
लगभग तुरंत ही नागराज को अपने प्रतिद्वन्द्वी का परिचय पता चल गया-
ओह! मेरी तीव्र फुंकार को झेल गया ये! इस स्तर की फुंकार को तो सिर्फ नागप्राणी ही झेल सकते हैं! यानी यह प्राणी घोड़सर्प है! प्राचीन समय में पाया जाने वाली एक सर्प प्रजाति! पर इसको यहां पर लाने वाला कौन है?
इसको पहले कुछ पलों के लिए अंधा बनाना होगा! ध्वंसक सर्पों के धमाके से अगर ये बच भी गया तो धमाके की चमक इसकी आंखों को चौंधियाकर अंधा कर देगी!
ये किसी जहर से नहीं मरते! और चारों तरफ देख सकने वाले इनके दोनों सिर किसी हथियार को इन तक पहुंचने नहीं देते!
और मुझे इस तक पहुंचकर इसको बेहोश करने का मौका मिल जाएगा!
वह शक्तिशाली वार तो पहाड़ तक में दरार डाल देने के लिए पर्याप्त था-

घोड़सर्प भी वार रवाने के बाद अपने पैरों पर रवड़ा नहीं रह पाया-
लेकिन अगला वार करने के लिए नागराज उस तक पहुंच भी नहीं पाया-
आऽऽऽह! अगर इच्छाधारी शक्ति मेरे पास न होती तो ये ऊर्जा वार मेरी जान ले लेता!
अब तो जानलेवा प्रहार करना ही पड़ेगा! नागफनी सर्पों का प्रयोग करता हूं!...
... ओह! पत्थर जैसा कड़ा शरीर है इसका! नागफनी सर्प इसको काटना तो दूर इसके शरीर पर खरोंच तक नहीं मार पा रहे हैं!
नागराज वार कर चुका था-
अब उसकी वार रवाने की बारी थी-
आऽऽऽऽह!

आऽऽऽह! इसकी दुम वास्तव में एक डंक है, जहर में बुझा हुआ एक डंक! और इसके अद्भुत जहर ने मेरे शरीर में भी तीव्र जलन फैला दी है!
आऽऽऽह!
अगर नागराज के शरीर में लाखों सर्पों की शक्ति न होती तो वह वार उसकी गर्दन तोड़ चुका होता-
नागराज के आंखों के आगे छाता अंधेरा और गहरा हो गया-
और अगर सनेवर, घोड़सर्प का ध्यान न बंटाती तो शायद इस बार का वार नागराज को हमेशा के लिए सुला देता-
चियांऽऽऽऽ
...उसको मैं गंवाऊंगा नहीं!
लेकिन धंस नहीं पाए-
आऽऽऽ इसकी खाल तो सच-मुच पत्थर जैसी सख्त है!
धन्यवाद सनेवर! इसका सारा ध्यान मुझे पर था, इसलिए तुम इस पर वार कर पाईं!
लेकिन तुमने जो मौका मुझे दिया है...
नागराज के दांत घोड़सर्प की खाल पर आ जमे-
मैं अपना विष इसके शरीर में पहुंचा नहीं सकता हूं! और न ही इसका गला काट सकता हूं!

नागराज की शक्ति खत्म होती जा रही थी-
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! मेरे सारे वार इस पर बेअसर क्यों हुए जा रहे हैं?
नागराज! मैंने कैमरा 'जूम' करके इसके शरीर पर कुछ अद्भुत चीज देखी है! इसके शरीर के जोड़ों के स्थान पर दरारें नजर आ रही हैं! जैसे इसके शरीर के अंगों को अलग-अलग बनाने के बाद फिर चिपकाया गया हो!
मैं समझ गया! यानी इसको बनाया गया है! ये गर्भ से पैदा हुआ प्राणी नहीं, बल्कि तांत्रिक प्राणी है! तंत्र द्वारा बनाया गया है! इसलिए ये मेरे घातक वारों को भी आसानी से झेले जा रहा है!
लेकिन तांत्रिक प्राणी हो या असली जीवित प्राणी, मेरा विष इसको गला सकता है! पर विष को अंदर पहुंचाऊं कैसे?
नागराज सोच-विचार में डूबा रह गया-
और घोड़सर्प ने एक बार फिर अपना डंक नागराज के शरीर में घुसा दिया-
आऽऽऽ ह!
आ आऽऽऽ
तेज जलन की लहर एक बार फिर नागराज के शरीर में दौड़ गई-

लेकिन नागराज ने डंक को अपने शरीर से निकालने की कोशिश नहीं की-
बल्कि वह डंक को और कस के पकड़कर अपनी तरफ खींचने लगा-
आऽऽऽह! खड़े रहना तक मुश्किल लग रहा है! लेकिन मुझको इसका डंक उखाड़ना ही होगा!
उम्मफ्!
इस 'दुमकशी' में जीत आखिरकार नागराज की ही हुई-
दुम उखड़ गई!
कड़ाक
और इससे पहले कि घोड़सर्प इस चोट के दर्द से उबर पाता-
डंक उसके ही शरीर में आ धंसा-
हा हा! मेरा ख्याल सही निकला! लोहा लोहे को काटता है इसीलिए जिसकी खाल को मेरे दांत भेद नहीं सकते, उसको उसका अंग ही भेद सकता था!
य... यह क्या? इसका शरीर तो गलना शुरू हो गया! पर कैसे?
मैंने इसके डंक को अपने शरीर में इसलिए रहने दिया था, ताकि इसके डंक में मेरा विष चिपक जाए! और फिर जब वही डंक इसके शरीर में घुसे तो मेरा विष भी इसके शरीर के अंदर पहुंच जाए! वही हुआ और घोड़सर्प गल गया!

नागराज, नागराज! क्या मैं भारती न्यूज चैनेल की तरफ से तुमसे कुछ सवाल पूछ सकती हूं?
जरूर निशा! पूछो!
अssss... तुम्हारे ख्याल से यह प्राणी अ... घोड़सर्प किस कारण से महानगर आया था?
तुम्हारा शक किस पर है?
आया नहीं था निशा, बल्कि लाया गया था! इसको किसी और ने महानगर भेजा था!
पक्की तौर से कहना मुश्किल है! इस सवाल के जवाब के लिए पहले घोड़सर्प का मकसद जानना जरूरी है! अगर मुझको मारने आया था तो यह काम मेरे किसी दुश्मन का है! और अगर यह महानगर में आतंक फैलाने के मकसद से आया था तो फिर यह काम किसी तांत्रिक का हो सकता है!
तांत्रिक का ही क्यों?
क्योंकि यह तंत्र प्राणी था! इसको तंत्र द्वारा जिंदा किया गया था! मैं छानबीन करूंगा, और सारे सवालों के जवाब लेकर आऊंगा!
एक बात और! मैं अपनी मदद करने के लिए मिस सनोवर का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा! इनकी तेज नजरों ने ही तंत्र प्राणी को पहचाना था!
शुक्रिया तो मैं भी करूंगी! अपनी जान बचाने के लिए!
मुझे किसी के धन्यवाद की जरूरत नहीं है! मेरा काम तो हो गया है! मुझे नागराज और घोड़सर्प की लड़ाई के नायाब फोटोग्राफ्स मिले हैं! अब मैं कैमरे की रील को ले जाकर...
...ओ! ओssss ओsssह!
सुबुक! सुबुक!

क्या हुआ सनोवर?

मैं तो कैमरे में रील डालना ही भूल गई!

हा हा हा! हा हा हा!

हंस लो, सभी हंस लो! मैं तो हूं ही बुद्धू! इसीलिए तो मुझे कोई काम नहीं देता! मैंने सोचा था कि मैं नागराज की फाइटिंग के फोटोग्राफ्स खींचकर रिपोर्टर बनूंगी! पर अब कौन देगा मुझको रिपोर्टर की नौकरी! सुबुक! यू आर ए फूल सनोवर!

रो मत सनोवर! एक रिपोर्टर में दिमाग के साथ-साथ हिम्मत का होना भी बहुत जरूरी है! जो तुममें कूट-कूटकर भरी है! तुम रिपोर्टर बन सकती हो!

निशा, तुम इसको अपने साथ ले जाकर राज से मिलवा देना! मैं राज से कह दूंगा! वह इसको असिस्टेंट रिपोर्टर की नौकरी पर रख लेगा!

रियली!

थैंक्यू नागराज, थैंक्यू! म... मैं बहुत खुश हूं! बहुत खुश!

इट्स ओ.के. सनोवर!

ओ. के. से काम नहीं चलेगा, नागराज! कल मेरा बर्थडे है! नौकरी मिलने के बाद पहला बर्थडे! तुमको भी आना पड़ेगा! एड्रेस मैं निशा को दे दूंगी! देखो मना मत करना!

इसी वक्त किसी अंजान जगह पर-
शाबाश नगीना, शाबाश! तू पहला टेस्ट पास कर गई! तुझे नागराज पहचान नहीं पाया! तू भारती कम्युनिकेशंस में भी घुस गई है! सभी जानते हैं कि भारती नागराज की खास दोस्त है! उसके पास से कहीं न कहीं नागराज के जन्म का समय जरूर पता चलेगा! और भारती कम्युनिकेशंस में घुसकर नगीना यही करेगी!
महान वैज्ञानिक पोल्का के पास नागराज की जन्म कुंडली लाएगी!
लेकिन आपको नागराज के जन्म का समय जानने की जरूरत क्यों है, मैडम पोल्का?
और ये नगीना कौन है और आपसे कैसे टकरा गई?
तुझे नहीं पता? नहीं पता? ओह! कैसे पता होगा! ये जानकारी तो मैंने तेरे अंदर फीड करी ही नहीं!
ये तो तेरे मेमोरी सर्किट में भरा ही है कि जब मेरे देश रूस ने अफगानिस्तान में कुछ दिनों के लिए अपनी सेना भेजी थी तो मैं भी वहां बतौर वैज्ञानिक गई थी!
उसी दौरान मेरी वहां के आतंकवादियों से दोस्ती हो गई! रूस के टूटने के बाद मैंने रूस छोड़ दिया! लेकिन मेरे अफगानी आतंकवादी दोस्त मेरी सेवाएं लेते रहे!

"... कि तभी मेरी आंखों के सामने पारदर्शी कवच में लिपटी एक आकृति लावे के साथ मेरे पास आकर गिरी! बड़ी ही विचित्र आकृति थी वह! आधी स्त्री और आधा पुरुष! कवच के बावजूद भी ऊर्जा ने उस आकृति को झुलसा दिया था! वह बेहोश थी, और बेहोशी में दो लोगों को मारने की धमकी देती जा रही थी-"

"एक नाम तो किसी 'कालदूत' का था... और दूसरा नाम... नागराज का था-"

"मैं नागराज पर जानकारी एकत्रित कर रही थी! उस पर और जानकारी पाने के लिए मैं उस आकृति को अपनी प्रयोगशाला में उठा लाई-"

"थोड़े से उपचार के बाद उसको होश आ गया! और फिर मुझे उस आकृति की कहानी पता चली! वे दरअसल दो प्राणी थे! नगीना और विषंधर! जिनको तंत्र शक्ति द्वारा जोड़कर एकाकार कर दिया गया था-"

"उसके पास अलग-अलग हो सकने लायक शक्ति नहीं थी! लेकिन वह शक्ति मेरे वैज्ञानिक दिमाग के पास थी-"

इस सम्बन्ध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें महायुद्ध

"मैंने नगीना और विषंधर को अलग करने की यही शर्त रखी कि वह नागराज की कुंडली लेकर आएगी और फिर मेरे बताए स्थान और समय पर नागराज को मारेगी-"

"नगीना मेरी बात मान गई और मैंने उसकी अतिरिक्त तंत्र ऊर्जा को सोखकर उसके और विषंधर के शरीरों को अलग-अलग कर दिया-"

आपके लिए तो ये सब मामूली काम हैं। लेकिन आपकी इतनी मेहनत के बाद अगर नगीना आपको धोखा दे गई तो?

ऐसा वह कर ही नहीं सकती! क्योंकि मैंने उसकी मुख्य शक्ति तंत्र मुंड को अपने पास ही रखा हुआ है! फिलहाल इसका संपर्क एक यंत्र द्वारा नगीना से जुड़ा है, इसीलिए वह तंत्र शक्ति का प्रयोग कर पा रही है!

लेकिन मैं जब चाहूं तब उसकी तंत्र शक्ति को यहीं से काट सकती हूं!

और फिर उसका साथी विषंधर तो अभी भी बेहोशी की अवस्था में मेरे ही पास है! अगर उसने इसको भी धोखा दिया तो मैं इसका इस्तेमाल नगीना के खिलाफ करूंगी! खैर, ऐसा होगा नहीं! नगीना नागराज की जन्मकुंडली लेकर ही आएगी!

परंतु उस जन्म कुंडली से आप नागराज को मारेंगी कैसे? उसमें तो सिर्फ भविष्य में होने वाली संभावित घटनाओं का ही संकेत होता है!

मुझे वही तो चाहिए!

सुन! इंसान जब पैदा होता है तो उस वक्त विभिन्न ग्रहों से निकलने वाली किरणें उस पर अपना-अपना असर डाल जाती हैं! यही किरणें कभी क्षीण हो जाती हैं और कभी शक्तिशाली! और ऐसे ही ये इंसान की मृत्यु तक उसके भाग्य पर असर डालती हैं! मैंने एक ऐसा वैज्ञानिक तरीका खोज निकाला है जो ग्रहों की इन किरणों की शक्ति को नियंत्रित कर सकता है!

अब अगर मुझे नागराज की जन्मकुंडली मिल जाए तो उसमें मैं नागराज की मृत्यु के संभावित समयों की गणना कर लूंगी!

और उस समय ग्रहों की किरणों की तीव्रता पता करके वैसी ही परिस्थिति बना दूंगी! फिर नागराज बच नहीं पाएगा!

अब नागराज की मृत्यु इस बात पर निर्भर करती है कि नगीना कितनी जल्दी उसकी कुंडली ले आने में कामयाब होती है।
मौत की इन चालों के बीच-
जिन्दगी को भरपूर तरीके से जिया जा रहा था-
जन्मदिन मुबारक हो, सनोवर!
PARTY POINT Restaurant
थैंक्यू मिस्टर राज! और आप भी मेरा धन्यवाद स्वीकार करें! मुझे नौकरी देने के लिए! वैसे मुझे पता था कि मुझे नौकरी जरूर मिलेगी!
वो कैसे?
क्योंकि मैं एक ज्योतिषी भी हूं! एस्ट्रोलॉजर! आपको यकीन नहीं हो रहा है न? लाइए! मैं आपका हाथ देखती हूं! लाइए, लाइए न!
अरे! इसने तो मेरे मना करने से पहले ही मेरी हथेली देखनी शुरू कर दी!
भगवान करे कि ये बोगस ज्योतिषी निकले!
आप दोहरी जिन्दगी जीते हैं राज! जो कुछ आप कर रहे हैं, उसके अलावा कुछ और भी करते हैं! छुप-छुपकर!
मारे गए! यह तो ठीक-ठाक भविष्य बता लेती है!
यू आर राइट सनोवर! किसी से कहना मत! मैं ऑफिस से लौटकर एक जगह पार्ट टाइम नौकरी भी करता हूं! खर्चा चलाने को!
मेरा मतलब कुछ और है!...
...मेरा मतलब कोई बड़ा काम! समाज सेवा का! जिसमें काफी प्रसिद्धि मिले! रेखाओं के हिसाब से आपको काफी प्रसिद्ध होना चाहिए!
शायद आगे चलकर हो जाऊं! ए...एक मिनट! म... मुझे टॉयलेट आ रहा है! अ... अभी आता हूं मैं!

एक मिनट, राज जी! मैं आपका बायां हाथ देख रही थी, इसलिए शायद गलत बता गई! दायां हाथ दिखाइए तो मैं एकदम एक्यूरेट भविष्यवाणी करूंगी!
मुझे अपना हाथ दिखाने में कोई दिलचस्पी नहीं है सनोवर! तुम आखिर मेरा हाथ देखकर भविष्यवाणियां करना क्यों चाहती हो?
ख्याल तो नेक है! लेकिन इसमें मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूं?
आप मुझको बड़ी-बड़ी नामी हस्तियों से मिलवा सकते हैं! इन्ट्रोड्यूस करवा सकते हैं!
मैं तो नामी हस्तियों को जानता नहीं! मैडम भारती जानती हैं! पर... पर वह इस वक्त यहां शहर में नहीं हैं!
आप नागराज को तो जानते हैं न? न... मैं नागराज का हाथ देखकर भविष्यवाणी करूंगी!
क्योंकि मैं अपनी इस कला को बड़े स्तर पर दुनिया के सामने लाना चाहती हूं! बड़े-बड़े लोगों की भविष्यवाणियां करना चाहती हूं! और... उनको खतरे से बचाना चाहती हूं! जो नागराज अपनी नागशक्तियों के जरिए करता है, मैं वही काम अपनी ज्योतिष के जरिए करना चाहती हूं!
नागराज को हाथ दिखाने के लिए मनाना बहुत मुश्किल है, सनोवर! वह कर्म में ज्यादा यकीन करता है, भाग्य में कम!
तो... तो आप नागराज की जन्म कुंडली ले आइए! उससे मैं नागराज पर आने वाले हर संभावित खतरे की सटीक भविष्यवाणी कर दूंगी! सोचिए तो, नागराज को खतरों के बारे में पहले से जानकर कितना फायदा होगा!
यह तो भविष्यवाणियां करने के पीछे ही पड़ गई है! मुझे तो कुछ शक हो रहा है! इसकी परीक्षा लेकर देखना होगा कि इसकी बात में कहां तक सच्चाई है!
मैं नागराज तक तुम्हारी रिक्वेस्ट पहुंचा दूंगा सनोवर! लेकिन पहले मुझे तो यकीन दिलाओ कि तुम सचमुच आने वाले खतरों के बारे में पहले से जान सकती हो!
ओ. के.! ओ. के.! इस रेस्टोरेंट के बाहर लगे पत्थर पर इसके इनागरेशन का टाइम, डेट और साल लिखा है! मैं उसके अनुसार इस रेस्टोरेंट की कुंडली बनाऊंगी और एकदम सटीक भविष्यवाणी करूंगी!
उद्घाटन
28 मई 1992
10 बजे सुबह
द्वारा किया गया

सनोवर को जैसे हर तिथि पर की ग्रह स्थिति जुबानी याद थी! पलक झपकते ही वह रेस्टोरेंट की कुंडली बना चुकी थी-
ओ मॉई गॉड!
क्या हुआ सनोवर?
मेरी गणना के हिसाब से इस रेस्टोरेंट पर कोई भारी मुसीबत आने वाली है। बहुत भारी मुसीबत! और वह भी एक दो मिनटों के अंदर!
इस बात को चेक करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा...
...ओह!
जमीन कांप रही है! और मेरी सर्प इंद्रिय भी खतरे का संकेत दे रही है! मुझे नागराज बनना होगा!
राज! तुम कहां जा रहे हो?
नागराज या पुलिस से संपर्क स्थापित करने!
लेकिन ये सनोवर तो सचमुच कमाल की ज्योतिषी है! जैसा बताया वैसा ही हो रहा है!
यह भी हो सकता है राज कि अपनी भविष्यवाणी को सच साबित करने के लिए सनोवर ने ही किसी तरह से इस मुसीबत को बुलाया हो!
मैं तो चली इस न्यूज को कवर करने!
निशा की बात गौर करने लायक है!
लेकिन ये मुसीबत है कैसी और क्यों आ रही है?

इसी वक्त—
नागराज इस मुसीबत के हाथों जरूर मरेगा स्लीबेली !
बिना उसकी मौत का समय पता चले आप यह बात इतने यकीन के साथ कैसे कह सकती हैं ?
क्योंकि इस प्राणी में वे दोनों चीजें मौजूद हैं जो नागराज की कमजोरी हैं !
विज्ञान और तंत्र !
तुमको याद है न कि मैंने नगीना और विषंधर में मौजूद अतिरिक्त तंत्र को सोखकर उनको अलग-अलग किया था...
... उसी तंत्र को मैंने अपने एक वैज्ञानिक खिलौने के अंदर भर दिया था ! और अब वही मुसीबत नागराज को मारने गई है ! मेरी वैज्ञानिक शक्ति और नगीना से निकली तंत्र शक्ति से भरी हुई !
शायद अब मुझे नागराज की कुंडली की जरूरत ही नहीं पड़ेगी !
मुसीबत देखने में तो सचमुच भयंकर थी—
PAR
POI
चियांऽऽऽऊ

लेकिन नागराज ऐसी कई मुसीबतों के लिए खुद ही भयंकर खतरा बन चुका था-
इस बार तांत्रिक प्राणी के बजाय मशीनी रोबोट मेरा रास्ता रोकने आया है! इस पर विषैली शक्तियां तो असर नहीं करेंगी, लेकिन इसके पुर्जों को ध्वंसक सर्प अलग-अलग कर देंगे!
लेकिन-
ओह! ध्वंसक सर्पों को बीच में ही छेद दिया गया!
लेकिन मैंने ऐसे बहुत मशीनी खिलौने तोड़े हैं! इसको भी तोड़ डालूंगा! सिर्फ इसका ध्यान बंटाना पड़ेगा!
और रोबोट का वजन खुद ही जमीन संभाल नहीं पाई-
सर्पों ने जमीन को खोद डाला-

और इससे पहले कि रोबोट संभलकर उठ पाता-
नागराज का वह वार उसकी खोपड़ी को तोड़ चुका था-
यही वार था आपका मैडम ? नागराज को इससे निपटने में सिर्फ 3.78 सेकंड लगे!
अभी तो खेल शुरू हुआ है स्लीबेली! तुम अभी अपना मुंह बंद रखो और आंखें खुली!
खेल वाकई अभी शुरू हुआ था-
ओह! ओह! इसके टूटे सिर के अंदर से कोई तंत्र ऊर्जा बाहर निकलकर मेरे हाथ को लपेट रही है! और मेरा हाथ पत्थर की मूर्ति की तरह जड़ होता जा रहा है!

म... मैं अपना हाथ हिला नहीं पा रहा हूं! पत्थर का सा सख्त हो गया है मेरा हाथ! और ये रोबॉट फिर से मुझे कुचलने के लिए तैयार हो गया है!
घम
अभी तक तो यह शक्ति परीक्षण था! अब तू देखेगा वराहर की असली शक्ति!
अगले ही पल-
नागराज के शरीर में पीड़ा की तेज लहर दौड़ती चली गई-
उसे जमीन के साथ चिपका दिया गया था-
दर्द बहुत तेज है! इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने के लिए मैं ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रहा हूं!
आऽऽऽह! अगर मैं इसकी दुम तोड़ने की कोशिश करूंगा तो इसके शरीर के अंदर भरी तंत्र ऊर्जा फिर मुझसे आ टकराएगी! और मैं पूरा पत्थर का सा बन जाऊंगा!
और अब फिर से तांत्रिक ऊर्जा मेरी तरफ लपक रही है! अब क्या करूं मैं इससे बचने के लिए!
नागराज पर हमला होने का कारण-

यह था-
भारती कम्युनिकेशंस का ऑफिस-
गुड इवनिंग मैडम!
गुड इवनिंग!
BHARTI
MANAGING DIRECTOR
इस वक्त नागराज मेरा रास्ता रोकने नहीं आ सकता! भारती भी न जाने कहां पर है! मैं आराम से अपना काम करके चुपचाप सरक लूंगी!
ये रहा भारती का कमरा!
ताला बगैर किसी प्रतिरोध के खुल गया-
कागजों में छानबीन करना बेकार है! जो कुछ भी जानकारी भारती के पास होगी, वह उसके पर्सनल कंप्यूटर में भरी होगी!
पोल्का! हमको कंप्यूटर से जानकारी निकालनी होगी और मुझको कंप्यूटर चलाना नहीं आता!
घबराओ मत! हम आपस में तंत्र मुंड की शक्ति द्वारा जुड़े हुए हैं! जो तुम देख रही हो वही मैं भी देख रही हूं! मैं तुमको बताती जाती हूं और तुम बस बटनों को दबाती जाओ! ठीक है नगीना?
हां, पोल्का!

नागराज, भारती कम्युनिकेशंस से बहुत दूर था-
ओह! ये तंत्र किरणें! कैसे रोकूं इनको ?
यस! रोक लूंगा मैं इनको!
सर्पों द्वारा खोदी गई मिट्टी का ढेर हवा में उड़कर नागराज और तंत्र किरणों के बीच में आ गया-
धूल के गुबार ने नागराज को भी वराहर की नजरों से छुपा लिया
और नागराज को आजाद होकर वार करने का मौका मिल गया-
अब मैं इसको तोड़ने की गलती नहीं करूंगा! इस मशीनी मौत को निष्क्रिय करने का एक आसान सा तरीका है! और वह ये कि इसको असंतुलित करके...
स्विमिंग पूल में गिरा दिया जाए! ताकि पानी इसके शरीर के अंदर घुसकर इसके नाजुक इलेक्ट्रॉनिक सर्किटों को नष्ट कर दे!

ओह! भारती के ऑफिस में तैनात जासूस सर्प खतरे के संकेत भेज रहा है! मुझे तुरन्त वहां पर पहुंचना होगा! वैसे भी पानी ने इस बराहर के सर्किटों को 'शॉर्ट सर्किट कर दिया है! अब मेरा यहां पर...
...कोई काम नहीं है!
अरे! मुझे पानी की तरफ कौन खींच रहा है?
आऽऽऽह! बराहर के मशीनी पुर्जे तो नष्ट हो गए हैं! लेकिन फिर भी ये चल रहा है! एक ही कारण हो सकता है इसका! और वह ये कि इसको अब तंत्र ऊर्जा चला रही है! और तंत्र ऊर्जा से निपटने का तरीका मेरे पास नहीं है!
वैसे भी यह तंत्र ऊर्जा मेरा शरीर जड़ करती जा रही है! पहले बायां हाथ जड़ हुआ था! और अब दायां पैर हरकत करना बंद कर रहा है! ...
अब भारती कम्युनिकेशंस पहुंचना तो क्या स्विमिंग पूल से निकल पाना तक मुश्किल लग रहा है!

भारती कम्युनिकेशंस की मैनेजिंग डायरेक्टर भारती के ऑफिस में-
मुझे तो नागराज से संबंधित कोई जानकारी नजर नहीं आ रही है पोल्का!
ACCESS DENIED
ऐसी जानकारियां गुप्त फाइलों में होती हैं, नगीना! हमको 'कोडवर्ड' ढूंढ़ना होगा! वैसे ये काम भी ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए!
तभी-
आऽऽऽह!
नागराज का सर्प यहां पर भी मौजूद है!
घप
मुझको अपने असली रूप में आना ही पड़ेगा!
नागराज के सर्प को भी तो पता चले कि उसकी हत्यारिन आखिर है कौन!
ले दुष्ट! चरब नगीना को काटने का मजा! तूने नाग सम्राज्ञी को डसने की जुर्रत की है, इसलिए तेरी मौत दूसरे सांपों के लिए एक सबक होनी चाहिए!
बस करो नगीना! समय खराब मत करो! कोई भी, कभी भी यहां पर आकर हमारी सारी मेहनत पर पानी फेर सकता है!
पानी फेरने का काम सिर्फ नागराज कर सकता है, और वह कहीं और मौत से जूझ रहा है! हमारे पास समय ही समय है पोल्का!
घबराओ मत, यहां कोई नहीं आएगा!
इसी वक्त-
मैं 'पार्टी प्वाइंट रेस्टोरेंट' से ही उसका पीछा करती आ रही हूं! और इस वक्त चपरासी के अनुसार वह भारती मेडम के केबिन की तरफ गई है! जरूर कुछ दाल में काला है! मेरा शक गलत नहीं रहा है!

Amaan
नागराज चिंतित था-
ओह! जासूस सर्प के संकेत आने एकाएक बंद हो गए! ऐसा तभी हो सकता है जब मेरा सर्प संकेत भेजने के काबिल ही न रहे! यानी खतरा बड़ा है और मैं उस खतरे को रोकने के लिए वहां पहुंच ही नहीं सकता!... पानी के अंदर दम घुट रहा है! और मेरा सिर्फ एक हाथ और एक पैर ही काम कर रहा है! इस तांत्रिक प्राणी वराहर के शिकंजे से छूटूं तो कैसे?
वह ढक्कन!
इस ढक्कन को हटाते ही स्विमिंग पूल का पानी तेजी से इस रास्ते से बाहर निकलेगा और अपने साथ पानी में मौजूद हर चीज को भी इस छेद की तरफ खींचेगा! मुझे और वराहर को भी!
मैं तो सतर्क रहूंगा! लेकिन वराहर का ध्यान जरूर बंट जाएगा, और मुझको आजाद होकर...
...बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा!
आऽऽऽह! ये तो मेरा पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है!

Amaan
ध्वंसक सर्प इसको नुकसान जरूर पहुंचा सकते हैं! लेकिन तांत्रिक किरणें उनको पहले से ही जड़ कर दे रही हैं! इस प्राणी का रोबाटिक शरीर ही तांत्रिक ऊर्जा को भरे रखने वाला बर्तन है! अगर यह टीन का डिब्बा टूट सके तो तांत्रिक ऊर्जा भी बिखर जाएगी और तांत्रिक प्रभाव खत्म होने से मैं भी ठीक हो जाऊंगा! लेकिन ध्वंसक सर्प इस तक मैं पहुंचाऊं कैसे? ओफ! फिर से शिकंजे में जकड़ा गया मैं!
मुझे बचना होगा! इस प्राणी की नजरों से दूर जाना होगा! फिलहाल ये गड्ढा ही सबसे बढ़िया जगह है जिसमें मैंने वराहर को गिराया था!
लेकिन नागराज बच नहीं सका! वराहर के शिकंजे ने उसको गड्ढे से खींच निकाला-
और नागराज का पूरा शरीर तांत्रिक किरणों से घिरकर जड़ हो गया-
देखा, स्लीबेली! जीत आखिरकार पोल्का की ही हुई न! तू तो नागराज को विजेता बना रहा था!

अब वराहर तोड़ डाल इसके पत्थर जैसे सख्त और भंगुर हो चुके शरीर को!
वराहर का 'भालुई शिकंजा' नागराज के सख्त शरीर पर कसने लगा-
और एकाएक-
चिथड़े नागराज के नहीं उड़े थे-
आऽऽऽह! तंत्र प्रभाव खत्म होने से मेरा शरीर भी सामान्य हो गया है! वराहर के मशीनी खोल को तोड़ने के लिए मुझे ध्वंसक सर्पों को बिना जड़े हुए इसके शरीर के पास तक पहुंचाना था! और यह काम मैंने गड्ढे में छुपने के बाद, केंचुली उतारकर और उसमें फटाफट ध्वंसक सर्पों को भरकर किया! तंत्र किरणों ने सिर्फ मेरी केंचुली को सख्त किया! और ध्वंसक सर्पों के गैंग ने वराहर के चिथड़े उड़ा दिए!
ये... ये क्या हुआ? धमाका कैसे हो गया? वराहर और नागराज दोनों के ही चिथड़े उड़ गए! और साथ ही साथ तांत्रिक ऊर्जा भी वातावरण में विलीन हो गई है!
सुन रही है न, नगीना?
हां, पोल्का!

नगीना सफलता के मुकाम पर खड़ी थी-
आहा! मिल गई मुझको फाइल! इसमें नागराज के अभी तक के जीवन की सारी महत्त्वपूर्ण तिथियां मौजूद हैं! सबसे पहली तिथि जरूर नागराज के जन्म की तिथि होगी! हाहाहा! ये रही! ये रही!
नगीना के तिथि पढ़ पाने से पहले ही-
अरे! स्क्रीन टूट गई! किसने तोड़ा मॉनीटर!
छनाक
मैंने, दुष्टा!
मैं तो तेरी असलियत पहली ही मुलाकात में जान गई थी! लेकिन तू यह नहीं जानती कि मैं जूडो कराटे में ब्लैक बेल्ट हूं!
तू! आऽऽऽह!
हां, मैं!
तू मेरी असलियत जान गई! तुझे मरना होगा मरना ही होगा!
मारेगी तो तब न, जब मुझे देख पाएगी! ले मैंने लाइट बंद कर दी! मैंने तो अंधेरे में देखने का अभ्यास बरसों तक किया हुआ है, पर तूने नहीं!
खट
दोनों खूंखार बिल्लियों की तरह लड़ रही थीं-

कहानी 35 पेज से
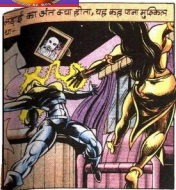
लड़ाई का अंत क्या होता, यह कह पाना मुश्किल था-
क्योंकि लड़ाई का अंत हुआ ही नहीं-
क्या हो रहा है यहां पर?
ओफ़! अंधेरे में कुछ नजर ही नहीं आ रहा है! लाइट जलाता हूं!
अरे, ठहर तो कमीनी! कहां भाग रही है?
नागराज! य... यह तो नागराज है! ये तो मर गया था फिर ये कहां से आ गया?
तेरी मौत बनकर वापस आऊंगी मैं! लेकिन उससे पहले मुझे अपना मकसद हल करना है! जो मुझे यहां पर नहीं मिला, उसको कहीं और से हासिल करना है!
लाइट जली-
और उसी पल-
आऽऽऽह! कूद गई टूटी खिड़की से नीचे!
निशा, तुम! क्या हो रहा था यहां पर? कौन कूद गई नीचे?
नगीना!
उर्फ सनोवर!
अगर तुम्हारे मुंह से नगीना का हुलिया सुन न रखा होता तो मैं उसे पहचान भी न पाती!

नीचे कोई नजर नहीं आ रहा है! कूदकर बचने का काम नगीना आसानी से कर सकती है! लेकिन तुमको यह कैसे पता चला कि सनोवर, नगीना है?

घोड़सर्प से तुम्हारी लड़ाई के दौरान उसका एकाएक घटनास्थल पर आजाना ही मुझको शक में डाल गया था। फिर इसका तुमको अपनी बर्थडे पार्टी में बुलाकर भविष्यवाणियां करना भी कुछ अजीब सा था! रही-सही कसर वराहर ने पूरी कर दी! जब मैंने सनोवर को घटनास्थल से भागते देखा तो मैं भी इसके पीछे लग गई!

ये तो समझा! लेकिन नगीना यहां पर क्या देखने आई थी? क्या ढूंढ़ रही थी वह?

उस वक्त वह नगीना के रूप में थी! लेकिन उसने जो बातें कहीं, उससे स्पष्ट हो गया कि वह पहले सनोवर के रूप में थी! जैसे कि वह मुझे पहचान गई और अपना रहस्य खुलने की बात भी कही!

लेकिन तुमने अपने कपड़े कब बदले?

ये कपड़े तो मैं ऑफिस में ही रखती हूं!

क्योंकि मुझको यहीं से सीधे अपनी जूडो-कराटे की क्लास में जाना पड़ता है!

मुझको लड़ाई होने की पूरी आशंका थी। इसीलिए मैं अपनी 'फाइटिंग ड्रेस' पहनकर ही मैडम भारती के रूम में गई थी!

तुम्हारी फाइल खोलकर उसमें तुम्हारे जीवन की महत्त्वपूर्ण तिथियां देख रही थी!

और कुछ 'जन्म-कुंडली जैसे शब्दों का प्रयोग भी कर रही थी। मैंने उसको तुम्हारी तिथि देखने नहीं दी!

राज भी मुझको बता रहा था कि सनोवर बार-बार उससे मेरी जन्मकुंडली लाने की जिद कर रही थी! इससे तो यह बात साबित हो जाती है कि सनोवर ही नगीना है! लेकिन मेरी जन्मकुंडली से नगीना को क्या काम आ पड़ा?
शर्त लगा लो! जो काम होगा, वह कम से कम अच्छा तो नहीं ही होगा! वह जाते-जाते कहीं और से तुम्हारी कुंडली हासिल करने की धमकी दे गई है!
यहां के अलावा ऐसी कौन सी जगह हो सकती है, जहां पर नगीना को तुम्हारी जन्मकुंडली मिल सके?
है ऐसी एक जगह निशा! और मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि सनोवर उर्फ नगीना वहीं पर गई होगी!
कहां पर, नागराज?
भारती के घर! भारती के दादा वेदाचार्य के पास!
उनके पास मेरी जन्मकुंडली बनी रखी है!
और इस वक्त उनसे कुंडली हासिल करना कोई बड़ा काम नहीं है! क्योंकि भारती के गायब हो जाने के बाद वे शोक में डूब गए हैं!
मुझको तुरंत वहां पहुंचना होगा!
मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी नागराज! मुझे ये न्यूज पूरी तरह से कवर करनी है! ताकि मैं इस न्यूज को विस्तार से लिख सकूं!
ठीक है, निशा!
वेदाचार्य के दिमाग में सिर्फ एक ही बात घूम रही थी! भारती की खोज-
ट्रर्र र्र्र्र्र
ओफ! मैं भारती का पता क्यों नहीं लगा पा रहा हूं! नागराज भी अभी तक कोई खबर नहीं ला पाया है!
उसकी जन्मकुंडली के अनुसार तो उसको इस वक्त हिन्दुस्तान में ही होना चाहिए! लेकिन सारे सूत्र इशारा कर रहे हैं कि भारती हिन्दुस्तान की सीमा में नहीं है!
तुम कहां हो भारती! कहां हो?
ओफ! कोई घंटी बजा रहा है! मैं बाद में ध्यान लगाऊंगा!

🐍 वेदाचार्य द्वारा निर्मित यह मकान तिलिस्मी है।

फिर नागराज को बचाने के लिए मैं अपनी जान को दांव पर लगा दूंगा!
वाह! तू तो बड़े आराम से मान गया बुड्ढे! ला!
ठहरो! मैं देता हूं तुमको नागराज की जन्मकुंडली! ये लो!
मैंने नागराज के जीवन से संबंधित महत्त्वपूर्ण तिथियां देखी हुई हैं! उससे मुझको पता चल जाएगा कि ये कुंडली असली है या...
...नकली! तूने मुझे नकली कुंडली दे दी अंधे! मेरे साथ चाल चल रहा है तू!
ओsss इसने तो मेरी चालाकी पकड़ ली!
ठहरो, ठहरो! अंधों से गलती होना तो आम बात है! लो ये है असली जन्मकुंडली!
पर पहले भारती का पता बताओ!
रुकिए दादाजी!
इसको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है!
निशा और नागराज! तु... तुम दोनों यहां पर कैसे आ गए?
इस दुनिया में एक तू ही समझदार नहीं है नगीना!
ये... ये नगीना है! हे भगवान! मैं किसके हाथ में नागराज की कुंडली सौंपने जा रहा था! इसको भागने मत देना नागराज!
ये कह रही थी कि ये भारती का पता जानती है! इससे भारती का पता उगलवाकर ही रहना!

मुझे कोई नहीं रोक पाएगा! मैं जाऊंगी और नागराज की जन्मकुंडली लेकर जाऊंगी।
लेकिन इससे पहले कि सनोवर कुंडली पर नजर भी डाल पाती-
कुंडली एक बार फिर उसकी पहुंच से दूर हो चुकी थी-
दादा जी, नागराज! आप दोनों इसको रोकिए! तब तक मैं इस कागज के टुकड़े-टुकड़े कर देती हूं।
शाबाश निशा! मैं तो ऐसी कुंडलियां और बना लूंगा! लेकिन नगीना के हाथ यह कुंडली नहीं लगनी चाहिए!
लेकिन नगीना को मैं बगैर असली का पता जाने, भागने भी नहीं दूंगा! नगीना के नाम से मैं एक तिलिस्मी यंत्र को सिद्ध करके नगीना को बांध लूंगा!
वेदाचार्य ने रुद्राक्ष की उस माला को नगीना के नाम से सिद्ध करके हवा में-
उछाल दिया! और उस तिलिस्मी माला ने-
नगीना को बांध लिया-
ये क्या? ये माला तो नगीना के लिए थी! यानी... तू है नगीना!
हां, मैं हूं नगीना! अगर तू तिलिस्मी टांग बीच में न अड़ाता तो मैं ये जन्मकुंडली लेकर जा चुकी होती!

निशा अपने घर में तंत्र निद्रा में बेहोश पड़ी है! और मनोवर, मनोवर है! एक ऐसी मामूली लड़की, जो रिपोर्टर बनना चाहती है!

पहले मैंने निशा को बेहोश किया, और फिर निशा का रूप धरकर घोड़सर्प को विनाश फैलाने भेजा! मकसद तुमको बुलाकर तुम्हारा और अपना आमना-सामना करवाना था, और यह पक्का करना था कि तुम मुझे निशा के रूप में पहचान पाते हो या नहीं!

मनोवर का वहां पर आना संयोग मात्र था! लेकिन इस संयोग से मेरा काम बन गया!

तुम्हारा ध्यान मुझसे हटकर मनोवर पर चला गया!

अब मैं निश्चिंत होकर प्लान बना सकती थी! काम भारती के ऑफिस की तलाशी लेना था! पर मुझको पता था कि तुम्हारे जासूस सर्प वहां पर नजर रखते हैं! इसीलिए तुमको वहां से दूर रखने के लिए वराहर को भेजा गया, और मैंने एक बार फिर तुम्हारा शक मनोवर पर डालने की कोशिश की!

वहां से मैं सीधी ऑफिस जा पहुंची। मेरा काम आराम से हो जाता। लेकिन न जाने कैसे ये मनोवर ड्रेस बदलकर वहां पर आ धमकी और मुझे नगीना के रूप में देख भी लिया!

उसने मुझे रोकने की कोशिश तो भरपूर की। लेकिन तुम्हारे ऑफिस पहुंचने से उसका ध्यान बंट गया, और उसी पल मैंने इसको सम्मोहित करके खिड़की से कुदा दिया और तंत्र कवच द्वारा अदृश्य करा दिया!

तुम्हारे लाइट जलाने से पहले मैं निशा का रूप फिर से धारण कर चुकी थी!

तुम्हारी कुंडली मेरे हाथों से फिसल चुकी थी! और मुझको यह पता नहीं था कि अब मुझको तुम्हारी कुंडली कहां पर मिल सकती है। यह बात सिर्फ एक शख्स बता सकता था! और वह तुम थे नागराज, तुम! मैंने तुमसे ही पूछा और तुमने वेदाचार्य के पास अपनी कुंडली होने की बात बता दी!
लेकिन तुमको तो मुझसे खतरा था फिर तुम मुझको अपने साथ क्यों रखे रही?
मैंने तुमको साथ नहीं रखा, बल्कि तुम्हारे साथ खुद लगी रही! तुम तो अकेले यहां पर आ रहे थे! और अगर तुम ऐसा करते तो मेरा सारा खेल बिगड़ जाता।
सनोवर पहले से ही मेरे सम्मोहन के नियंत्रण में थी! उसको मैंने आदेश देकर यहां पर भेज दिया! यहां पर उसने जो कुछ किया, सब मेरी इच्छा से किया! वह अभी तक मेरे सम्मोहन के नियत्रंण में ही है!
उसको तो मैं आजाद करा दूंगा नगीना! लेकिन तुम कैसे आजाद होगी?
नगीना को आजाद मैं करूंगा!
ऐसे!
अरे! ऐसा लगा जैसे देवल ने आगे बढ़कर नगीना के तिलिस्मी बंधन काट दिए!
तेरी सहायता के लिए मैंने अपना आदमी भेज दिया है नगीना!
अब तुझे मैं बुला रही हूं!

मैं आती हूं! अभी हमको काफी तैयारी करनी है!
नगीना भाग रही है! उसे रोकना होगा!
नगीना को जाने से कोई रोक नहीं सकता...
...क्योंकि उसको रोकने वालों को रोकेगा...
...गिरागिट!
जो हर माहौल में उसी माहौल का हिस्सा बनकर ऐसे घुलमिल जाता है कि उसको कोई देख नहीं सकता!
आऽऽऽह! हमको सावधान रहना होगा! इसमें वैसी ही तंत्र शक्तियां हैं जैसी वराहर में थीं! बस ये पता नहीं कि इस तंत्र शक्ति का हम पर असर क्या होगा!
चिन्ता मत करो नागराज! ये तांत्रिक प्राणी हो या जादुई प्राणी! मेरा तिलिस्म इसको ढूंढ भी निकालेगा और इसको नष्ट भी कर देगा!

इस प्रतिमा को घुमाते ही जमीन का वह हिस्सा दलदली भंवर में तब्दील हो जाएगा और गिरगिट उसी दलदल में फंसकर रह जाएगा!
आऽऽऽह! आऽऽऽह!
प्रतिमा नहीं चीख रही, बुड्ढे! मैं चीख रहा हूं, गिरगिट! और वह भी इसलिए क्योंकि तू मेरी नाक को घुमा रहा है!
अरे! ये प्रतिमा चीख क्यों रही है?
ऐसा तो इस तिलिस्म में नहीं होना चाहिए!
आऽऽऽह! यह तो गजब की तेजी से प्रतिमा के साथ घुल-मिल गया! मुझे तिलिस्म... शुरू करने तक का... मौका नहीं... दिया ऽऽऽ
ओह! वेदाचार्य बेहोश हो गए हैं! यानी तिलिस्मी मदद अब मुझको नहीं मिल सकती! सर्पोनवर का सम्मोहन तोड़ने का मौका भी मुझे नहीं मिल पाया है। यानी अब मैं एकदम अकेला हूं! मुझे गिरगिट को ढूंढना भी है और उसको काबू में भी करना है। पर कैसे?
विषफुंकार के प्रयोग से मैं इसको बिना ढूंढे बेहोश कर सकता हूं। लेकिन इसको बेहोश करने के लिए जिस मात्रा में विषफुंकार छोड़नी पड़ेगी वह सर्पोनवर और वेदाचार्य के लिए घातक हो सकती है!

Amaan
नागराज को पीछे से लपक रहे खतरे का आभास हो गया था-
इसलिए तंत्र किरणें सिर्फ उसके हाथ को छू पाईं-
लेकिन इतना सा वार ही नागराज के लिए काफी था-
अरे! अरे! मेरे हाथ को क्या हो रहा है?
ये मेरे नियंत्रण में नहीं है!
मेरे पंजों में तो इतना दम नहीं है कि वे मुझे कोई चोट पहुंचा सके, लेकिन तेरे घूंसे तेरी हड्डियां जरूर तोड़ देंगे!
अब जैसे-जैसे मैं अपने हाथ को हिलाऊंगा, वैसे ही तेरा हाथ भी हिलेगा!
अब तेरा हाथ मेरे नियंत्रण में है, नागराज!
अब बारी तेरे दूसरे हाथ की है!
आऽऽऽह!
धड़ाक
मैं इसको देख नहीं सकता, इसलिए इसके हाथों का चलना रोक नहीं सकता!
लेकिन रोकूंगा भी कैसे? मेरे दोनों हाथ तो इसके नियंत्रण में हैं! मैं तो कलाइयों से सर्प तक नहीं निकाल सकता!
एक तरीका काम में आ सकता है! लेकिन उसके लिए गिरगिट का नजर आना जरूरी है!

और अगर मैं इस बंद जगह में विष फुंकार का प्रयोग नहीं कर सकता तो एक-दूसरे किस्म की 'फुंकार' मुझे गिरगिट का पता बता सकती है!
नागराज का किचन में घुसना एक अजीब बात जरूर थी-
लेकिन बगैर किचन में गए वह न तो गैस जला सकता था-
और न ही लाल मिर्चों को जलाकर उनका धुआं बंद कमरे में फैला सकता था-
जिसकी गंध हर किसी को छींकने पर मजबूर करदेती है-
वेदाचार्य बेहोशी में छींक नहीं सकते, सनोवर सम्मोहन अवस्था में छींक नहीं सकती और मुझ जैसे जहरीले को मिर्च का धुआं छींक नहीं दिला सकता! यानी अब जो छींक की आवाज आएगी वह गिरगिट की ही होगी!
आक्छीं!
उधर से छींक की आवाज आई है! उधर है गिरगिट!
नागराज की किक उसी दिशा में घूम गई-
और चीरवते हुए गिरगिट की आकृति दिखाई पड़ने लगी-
उसी पल नागराज की आंखें चमक उठीं-
अब तुम मेरे सम्मोहन में हो! तुम सामने आ जाओगे और कोई वार नहीं करोगे!

Amaan
अब ये हिलेगा नहीं, और मैं इस पर सीधी विष फुंकार मार कर इसको बेहोश कर दूंगा! और ऐसा होते ही मैं इसके तंत्र से आजाद हो जाऊंगा!
फूऊऊ
ऊ
ऊ
ऊ
ऊऊऊ
अरे! अरे! यह क्या? यह फुंकार से बेहोश हो तो रहा है, लेकिन तड़प-तड़पकर! और इसके तड़पने से मैं भी खुद अपनी पिटाई करने पर मजबूर हो रहा हूं! इसको बेहोश करने का दूसरा रास्ता अपनाना होगा!
मैं तुमको आदेश देता हूं कि मेरे मुंह पर घूंसा मारो!
आदेश पाते ही सम्मोहित गिरगिट का पंजा नागराज के जबड़ों से टकराया-
और तंत्र प्रभाव में बंधा नागराज का हाथ भी वैसे ही घूमा-
वह वार गिरगिट को बेहोश करने के लिए काफी था-

इसी वक्त-
नागराज ने गिरगिट को बेहोश कर दिया है। और उसका दिमाग अंधेरे में डूबते ही हम तक उसकी मानस तरंगें आनी खत्म हो गई हैं।
और नागराज के ऊपर किया गया उसका तंत्र भी नष्ट हो गया होगा।
...लेकिन अब नागराज को यहां पर कैसे बुलाया जाए? जब तक वह यहां पर नहीं आएगा तब तक इन ग्रहों की किरणें अपना असर किस पर दिखाएंगी?
कोई बात नहीं! उसने अपना काम तो कर ही दिया है। नागराज को मेरे पीछे आने से रोक दिया है और इतनी देर तक रोके रखा है, जितनी देर में हमने नागराज की मौत का इंतजाम कर लिया है!
ये तो सच है...
नागराज जैसी मछली को फंसाने के लिए चारा डालना पड़ेगा! और चारा मेरे पास है!
मेरे सम्मोहन के असर में बंधी सनोवर। वह मेरे आदेश पर यहां आएगी भी और नागराज को मारने में हमारी मदद भी करेगी!
भारती के घर में-
मुझ पर तंत्र का असर खत्म हो गया है! अब मैं दादा वेदाचार्य और सनोवर को होश में लाने की कोशिश करता... अरे!
हवा में फिर वैसा ही तांत्रिक द्वार खुल रहा है जैसे द्वार से नगीना भागी थी! क्या नगीना फिर से आ रही है?
नहीं! सनोवर उसके अंदर जा रही है! नगीना इसको खींच रही है। मुझे इसको बचाना होगा!...
...हर कीमत पर...

Amaan
...बचाना होगा! हैं!
जरूर बचाना नागराज! लेकिन उसके लिए पहले तुमको जिन्दा बचना होगा। लेकिन यह असंभव है! क्योंकि तुम्हारी जन्मकुंडली में से हमने सबसे प्रबल मृत्युयोग को ढूंढ निकाला है...
... और उस योग के समय की ग्रह स्थिति को ठीक वैसा ही इस लैब में बनाया है! सीधी भाषा में कहूं तो इस कक्ष के अंदर तेरी मृत्यु का प्रबल योग चल रहा है!
ओह! तो इसीलिए मेरी जन्मकुंडली की पृष्ठ एकाएक बढ़ गई थी! लेकिन तुम हो कौन? और नगीना का साथ देकर मुझे मारना क्यों चाहती हो?
मैं पोल्का हूं! एक टॉप वैज्ञानिक। तुमसे मेरी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, नागराज! मेरे लिए तो तुम केवल एक कांट्रैक्ट हो! मुझे तो यह तक नहीं पता कि जिस टॉप अफगानी आतंकवादी ने मुझे यह कांट्रैक्ट दिया है उसकी तुमसे क्या दुश्मनी है!
और रही नगीना की बात तो उसका और मेरा मकसद एक ही है। मेरा कांट्रैक्ट पूरा होगा और उसकी दिली तमन्ना पूरी हो जाएगी!

नगीना कई सालों से अपनी यह तमन्ना पूरी करने में जुटी हुई है! लेकिन अब तक न तो उसे कामयाबी मिली है और न ही तुम्हें मिलेगी!
देख! मैं तेरी लैब का क्या हाल करता हूं!
बस! रुक जाओ नागराज!
एक भी वार और किया तो मनोहर के दो टुकड़े कर दूंगी!
उसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी नगीना! नागराज अपनी शक्तियों का प्रयोग कर ही नहीं पाएगा!
तू जिस भी चीज का वार कर रही है, वह मुझ पर असर नहीं करेगी! मेरा शरीर बंदूक की गोली तक को पचा जाता है!
ये गोली नहीं, यांत्रिक वायरस हैं, नागराज! जो तेरे विष से गलेंगे नहीं!
और तेरे खून के साथ बहते हुए ये तेरे रक्त में मौजूद तेरे सूक्ष्म सर्पों को मारते जाएंगे!
और इस लड़ाई से तेरे शरीर में 'इंफेक्शन' के लक्षण पैदा हो जाएंगे! और तेरा शरीर तेज ज्वर से तपने लगेगा! तू कुछ भी सोच नहीं पाएगा! और सर्पों के कारण ही पैदा हुई तेरी शारीरिक शक्ति भी खत्म हो जाएगी!
आsssह!

यही है इसका मृत्युयोग! ग्रहों की किरणें इस समय बिल्कुल सही मात्रा में इस पर पड़ रही है! नगीना खत्म कर दो इसके ज्वर से तपते शरीर की तड़पन!
अभी लो, पोल्का! अभी लो!
आऽऽऽह! मुझे जिन्दगी में पहली बार बुखार हुआ है! मैं इस अनुभव का कतई आदी नहीं हूं!
मुझे बेहिसाब तकलीफ हो रही है! कुछ भी सोच नहीं पा रहा हूं!
मैं तेरी तड़प को अभी खत्म कर देती हूं, नागराज! तेरी जिन्दगी के साथ!
नगीना द्वारा पैदा किया गया तंत्र मानव मेरे शरीर पर जगह-जगह घाव लगा रहा है!
और मेरे सांपों के पास न तो शरीर से बाहर निकलने की फुर्सत है और न ही मेरे घाव भरने की!
हैलो, चीफ मश्तून! अब तुम अपनी आंखों से अपने कांट्रैक्ट को पूरा होते देख सकते हो!
शुक्रिया डॉक्टर पोल्का! इसके खत्म होते ही भारती की गर्मी भी खत्म हो जाएगी! फिर वह हमारी बात मानने पर मजबूर होगी!
भारती! भारती, अफगानी आतंकवादियों के कब्जे में है! उसको आजाद कराना होगा!
और उसको आजाद कराने के लिए मुझे जिन्दा रहना होगा! नगीना की चाल को काटना होगा! अपने मृत्युयोग को टालना होगा!

नगीना की मुख्य शक्ति इसका तंत्र मुंड... अरे! तंत्र मुंड तो नगीना के गले में नहीं है! फिर वह कहां पर है?
वह रहा! उसे यंत्रों के बीच में बंद करके रखा गया है! यह काम पोल्का का है! लेकिन मैं उस मुंड तक कैसे पहुंच सकता हूं! कोई भी नागशक्ति काम नहीं कर रही है!
पोल्का को नगीना पर भरोसा नहीं है! इसीलिए उसने तंत्र मुंड को नगीना के हाथों नहीं सौंपा है! इसी 'अविश्वास' को मैं अपना हथियार बना सकता हूं! लेकिन उसके लिए मुझको अपनी सारी इच्छाशक्ति और शारीरिक शक्ति का प्रयोग करना होगा!
और तेज ज्वर मेरी इच्छाधारी शक्ति के प्रयोग में बाधक बन रहा है!
क्या करूं?
अगले ही पल तड़पता नागराज उठकर खड़ा हो गया-
अब मरने का नाटक करने का वक्त नहीं है नगीना! तुमने मुझे पोल्का तक पहुंचाने का वादा पूरा किया! अब तुम अपना तंत्र मुंड उठाओ, और मैं पोल्का से भारती का पता उगलवाता हूं!
ये क्या बक रहे हो तुम नागराज?
तू...तू गद्दार नागिन! एक नाग दूसरे नाग का ही साथ देगा! मुझे तुझ पर पूरा शक था! इसीलिए मैंने तुझे अपने काबू में रखने का पूरा इंतजाम किया था!
नागराज झूठ बोल रहा है पोल्का! मैं इससे मिली हुई नहीं हूं!
अब नाटक क्यों कर रही हो नगीना! अब इसका क्या फायदा? अब तो पोल्का से तंत्र मुंड हासिल करो!
रही नागराज की बात तो उसे मारने के लिए मेरा यांत्रिक इंफेक्शन ही काफी है!
फिर ये उठकर खड़ा कैसे हो गया?
मेरे इंफेक्शन और तेरे तंत्र वार से घिरा हुआ कोई भी प्राणी हिल तक नहीं सकता है!
साफ है कि तू झूठ बोल रही है। मैं तुझे और मौका नहीं दूंगी! तेरा संपर्क मैं तंत्र मुंड से काट दूंगी!

संपर्क कटते ही नगीना की तंत्र शक्तियां गायब होने लगीं! तंत्र मानव भी हवा में घुलने लगा-
सॉरी नगीना! तुमको घूंसा मारकर ही बेहोश करना पड़ेगा! क्योंकि नागशक्तियां अभी काम नहीं कर रही हैं!
और नागराज को बचाव करने का मौका मिल गया-
घड़ांक
तंत्र शक्ति खो चुकी नगीना नागराज का वार झेल नहीं सकी-
नगीना को तूने बेहोश कर दिया! यानी... यानी नगीना तुमसे मिली हुई नहीं थी! तूने मुझे मूर्ख बना दिया!
तुम्हारे... अविश्वास ने तुमको... आह... मूर्ख बनाया है पोल्का! देखो, तुम्हारा मृत्युयोग तो मैंने काट दिया!
आऽऽऽह!
मृत्युयोग अभी बना हुआ है नागराज! शायद तेरी मौत नगीना के हाथों नहीं, मेरे हाथों में लिखी थी! मेरे इंफेक्शन ने तुझे और तेरी नाग-शक्तियों को तो कमज़ोर कर ही दिया है! और अब तेरी मौत का फरिश्ता बनेगा...
रेलीबेली
रेलीबेली ने नागराज को कस लिया-
और नागराज का तपता शरीर तड़पने लगा-

जो काम बराहर नहीं कर पाया वह स्लीबेली करेगा! और जरूर करेगा! क्योंकि इस बार तेरे अंदर नागशक्तियां नहीं हैं! हा हा! तोड़ डाल इसे स्लीबेली!
आऽऽऽह! इच्छाशक्ति तक काम नहीं कर रही है! शरीर में शक्ति नहीं बची है! कैसे तोड़ूं इस मौत के शिकंजे को?
जीवाणुओं के इंफेक्शन से हुए बुखार को तो एंटीबॉयोटिक खाकर खत्म किया जा सकता है! लेकिन मेरे शरीर में तो यांत्रिक जीवाणु इंफेक्शन फैला रहे हैं! इनको कैसे नष्ट करूं?
अगर मैं इस बुखार को दूर कर सकता तो शायद इस टीन के डिब्बे से निपट सकता था...
...लेकिन ये बुखार तो काबू में आ नहीं सकता!
कमाल की शक्ति है नागराज में! चट्टानों तक को चूर-चूर कर देने वाली स्लीबेली की पकड़ नागराज का शरीर तोड़ नहीं पा रही है!
इसकी पॉवर को और बढ़ाना होगा! इतनी कि ये लोहे को भी चूर-चूर कर दे!
ले, और पॉवर ले, स्लीबेली! इतनी पॉवर नागराज को चकना-चूर कर देगी!
पॉवर! ये पॉवर ही मेरी दवाई है!
मेरी एंटीबॉयोटिक!
नागराज ने स्लीबेली के पीछे लगे तारों को खींचकर-

अपने शरीर में धंसा लिया-
हाईवोल्टेज की बिजली नागराज के शरीर को हवा में हिलते पत्ते की तरह कंपाने लगी-
यह क्या नागराज? शायद तुमसे पीड़ा सहन नहीं हो रही है! इसीलिए तू एलीबेली के हाथों दर्दनाक मौत मरने के बजाय आत्म-हत्या करना चाहता है!
जब... नागराज... किसी की हत्या की... नहीं सोचता...
...तो भला... उम्फ... आत्महत्या की कैसे सोच सकता है!
तू... तू आजाद हो गया! पर कैसे? कैसे?
तुममें इतनी शक्ति कहां से आई?
जैसे एंटीबॉयटिक दवाई जैविक जीवाणुओं को नष्ट करती है, वैसे ही "बिजली एंटीबॉयटिक" की हाई-वोल्टेज ने तुम्हारे यांत्रिक जीवाणुओं को नष्ट कर दिया, और मेरा इंफेक्शन खत्म हो गया! साथ ही साथ मेरी ताकत भी वापस आ गई!
अब बता पोल्का! कौन है ये तेरा साथी मशतून और भारती से ये क्या चाहता है? कहां पर है भारती?
ओह! चूहा, चूहे को हराकर अपने आपको शेर समझ रहा है! अभी तेरा मृत्यु योग तेरे सिर पर नाच रहा है नागराज!
अब तुम्हें मौत देने वह जल-जला आएगा जिसको मैंने नगीना के लिए बचाकर रखा हुआ था...

विषधर!
खत्म कर दो नागराज को!
जो आज्ञा स्वामिनी!
ये... ये क्या हाल कर दिया है तुमने विषंधर का? इसका शरीर पारदर्शी और इतना चमकीला कैसे हो गया है?
सिर्फ पारदर्शी और चमकीला ही नहीं, कड़ा भी हो गया है! विषंधर का शरीर पृथ्वी पर सबसे कड़े पदार्थ हीरे का बन गया है!...
...दरअसल इंसान का शरीर और हीरा दोनों का ही मूल तत्व कॉर्बन है! इसलिए इन दोनों को एक-दूसरे में बदलना मुश्किल नहीं है! इस हीरे पर तेरी शक्तियाँ काम नहीं करेंगी। लेकिन ये तुझे काटकर रख देगा।

ओफ्! ये पोल्का भी मिस किलर की तरह एक जबरदस्त वैज्ञानिक है!... लेकिन मुझे इसकी वैज्ञानिक शक्तियों को मात देनी ही होगी! वर्ना मेरी मौत के साथ-साथ भारती के बचने की भी सारी उम्मीदें खत्म हो जाएंगी!...
...लेकिन इस हीरे के शरीर को कैसे मात दूं! न तो मैं इसको तोड़ सकता हूं, न ही विषदंश से इसको गला सकता हूं, इसकी तरफ तो देखना भी मुश्किल हो रहा है! आंखें चकाचौंध हुई जा रही हैं!
ओ! लेसर बीम! मैं तो भूल ही गया था कि हीरे से निकलकर सामान्य प्रकाश, घातक लेसर बन जाता है!
हा हा! नागराज अपने मृत्युयोग से कभी बच नहीं पाएगा... अरे!
ग्रहों की गति में बदलाव कैसे आ रहा है? क्या मेरी मशीन में कुछ खराबी पैदा हो रही है?
तू... तू, सनोवर! तू नगीना के सम्मोहन से कैसे आजाद हो गई? और तुझे मेरे मृत्युयोग का कैसे पता चल सकता है! यह असंभव है!
नगीना के सम्मोहन से तो मैं तभी आजाद हो गई थी, जब उसने मेरे बाल कसकर खींचे थे! उस पीड़ा ने मेरा सम्मोहन तोड़ दिया था! उसके बाद तो मैं सम्मोहन में होने का नाटक करके मौके का इंतजार कर रही थी!
और रही तेरा मृत्यु-योग पता चलने की बात तो वह मुझे तेरे इस पास-पोर्ट से पता चल गया है! जिस पर तेरी जन्मतिथि लिखी हुई है! अब ये ग्रह तेरा मृत्युयोग बना रहे हैं!
और तेरी कुंडली कहती है कि तेरी मृत्यु किसी अपने के हाथों ही लिखी है!
PASSPORT
तब तो मैं अमर हूं सनोवर! क्योंकि मेरा कोई अपना है ही नहीं! न तो कोई सगा संबंधी है और न ही दोस्त, यार!
नहीं! मशीन को अब मैंने तेरे मृत्युयोग पर सेट कर दिया है पोल्का!
बस, ग्रह अब तेरे मृत्युयोग की स्थिति बना रहे हैं!
अब हट यहां से और मुझे ग्रहों की स्थिति को पहले जैसा बनाने दे!

सनोवर के रहते तू ग्रहों के कंट्रोल को छू भी नहीं सकती है, पोल्का!
सनोवर और पोल्का के साथ-साथ-
नागराज और विषंधर की लड़ाई भी जोर पकड़ रही थी-
पर पलड़ा विषंधर का ही भारी था-
मर, नागराज मर!
खून निकलता जा रहा है! मेरे सर्प, संख्या में कम होने के कारण मेरे घावों को भर नहीं पा रहे हैं! कमजोरी छाती जा रही है!
आऽऽऽह! मेरे शरीर में सूक्ष्म सर्पों की संख्या अभी भी काफी कम है! मेरी शक्तियां अभी क्षीण हैं!
हीरे को भला कैसे नष्ट किया जा सकता है!
न तोड़ सकता हूं, न गला सकता हूं, न जला सकता...
...यस! हीरे को जलाया जा सकता है। जलकर हीरा फिर से अपने मूल तत्त्व कॉर्बन में परिवर्तित हो जाता है!
और इस काम में ये ज्वलनशील रसायन मेरी मदद करेंगे!
ज्वलनशील
विषंधर का शरीर ज्वलनशील कैमिकल से ढकते ही-
फच्चाक
ध्वंसक सर्पों ने उसको सुलगा दिया-
विषंधर का हीरे का शरीर आग में घिर गया-
अब आग हीरे के गुण को नष्ट कर देगी और ये फिर से हाड़-मांस का इंसान बन जाएगा।
और ऐसा होते ही मैं आग को बुझा दूंगा!

पोल्का और सनोवर की लड़ाई के साथ-साथ-

स्लेलीबेली के शरीर में भी हरकत पैदा हो रही थी-

और-

अरे! अरे, स्लेलीबेली! ये तू क्या कर रहा है? मेरा रोबॉट होकर मुझ पर ही हमला कर रहा है!

नागराज की पटखनी से इसके सर्किट शायद खराब हो गए हैं, पोल्का!

सनोवर ने मशीन को बंद कर दिया-

घबराओ मत पोल्का! तुम ठीक हो जाओगी!

तुमने... तुमने मेरी जान बचाई नागराज? मेरी? जिसने तुम्हारी जान लेने की हर भरसक कोशिश की!

मैंने कहा था न कि कोई तुम्हारा अपना ही तुम्हारी मौत बनेगा! देख तेरा मृत्युयोग भी सच हो रहा है, और मेरी भविष्यवाणी भी!

नहीं, सनोवर! मौत का समय चुनने का हक भगवान का है, इंसान का नहीं! रोक दो मशीन को!

उसको भूल जाओ पोल्का!

तुमने मेरी मदद की है, नागराज!

तो मैं भी तुम्हारी मदद करूंगी!

मैं तुमको मस्तूल के बारे में सब-कुछ बताऊंगी! और अगर भगवान ने चाहा तो तुम्हारे साथ खुद चलूंगी उसको तबाह करने के लिए। आज से सारे इंसान मेरे अपने हैं, और इन्सानियत के दुश्मन मेरे दुश्मन हैं!